वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र : 2022-23
कक्षा – 6 (स्तर 2)
विषय – हिंदी

(वसंत भाग 1) पाठ संख्या और नाम	विधा/विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ 1. वह चिड़िया जो (केदारनाथ अग्रवाल)	कविता / प्रकृति एक चिड़िया जो उन्मुक्त प्राकृतिक वातावरण/ परिवेश में प्रसन्न/ संतुष्ट है।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय-वस्तु-** **कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** विशेषण का प्रयोग **कक्षा 6 –** विशेषण के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विषयों पर आधारित अपठित पद्यांश का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 11-13 • प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विन्दुओं पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन
पाठ 2. बचपन कृष्णा सोबती	संस्मरण / लेखिका ने अपने बचपन के दिनों का स्मरण किया है।	**कक्षा 4 – का. सं. 15, 36A** संज्ञा की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 6, 13A** संज्ञा का प्रयोग **कक्षा 6 –** संज्ञा के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **भाववाचक संज्ञा** की पहचान और प्रयोग अपने बचपन से सम्बंधित किसी घटना पर आधारित स्मरण लेखन	- ‘संस्मरण’शब्द से परिचित होते हुए इस विधा - के बारे में जान सकेंगे, - कृष्णा सोबती एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से - परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बचपन के कई सारे अनुभवों की अनुभूति नए - संदर्भ में कर सकेंगे, - तत्कालीन परिस्थितियों के पारिवारिक एवं - सामाजिक परिवेश को जानने और समझने का - प्रयास करेंगे, - शिमला और वहाँ की विशेषताओं को जान	• कार्यपत्रक सं. 14-19

			- सकेंगे, - अपनी अनुभूतियों को लिखने का प्रयास - करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	
पाठ .3 नादान – दोस्त प्रेमचंद	कहानी / बाल सुलभ क्रियाओं का वर्णन। बच्चे नादानी में गलती कर देते हैं, जबकि उनका उद्देश्य अच्छा है। पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनात्मक भाव	**कक्षा 4 – का. सं. 52A** सर्वनाम की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** सर्वनाम का प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **पुरुषवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग अपने बचपन की किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी/ अनुच्छेद लेखन	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे , - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेंगे, - पक्षियों के अंडे एवं उनके रख-रखाव के बारे में समझेंगे, - नादानी में की गई गलतियों एवं उनके परिणाम के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे, - माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का महत्त्व समझेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे । अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 20-29 • बचपन में की गई किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी वाचन/ चर्चा
पाठ 5. अक्षरों का महत्व गुणाकर मूले	निबंध/ अक्षरों के बारे में जानकारी देते हुए तथ्यपरक निबंध अक्षरों के इतिहास, मानव सभ्यता और विकास में उनका महत्त्व	**कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** विशेषण का प्रयोग **कक्षा 6 –** संख्यावाची विशेषण की पहचान और प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **संख्यावाची विशेषण** की पहचान	- 'निबंध 'शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - इस ज्ञानवर्धक पाठ के माध्यम से भाषा के -उद्गम एवं विकास को समझने का प्रयास करेंगें - प्रारंभिक संकेत लिपि के बारे में जानेंगे, - अक्षरों का हमारे जीवन में कितना महत्त्व है , ,इसे जान सकेंगे	• कार्यपत्रक सं. 30-34

		और प्रयोग **उपसर्ग** की पहचान और प्रयोग	- कुछ प्राचीन भाषा एवं लिपियों के नाम से अवगत होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	
➢ **उपरोक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।** ➢ **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।** ➢ **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।** **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक “बाल रामकथा” कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं । गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**				
मध्यावधि परीक्षा				
पाठ 7. साथी हाथ बढ़ाना साहिर लुधियानवी	गीत/ सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना	**कक्षा 4 – का. सं. -52A** सर्वनाम की पहचान लिंग: पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** सर्वनाम का प्रयोग लिंग: प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **निजवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग लिंग: प्रयोग और अभ्यास वचन: प्रयोग और अभ्यास मुहावरे के अर्थ को समझना और वाक्य में प्रयोग करना एक-एक ग्यारह, मुहावरे के माध्यम से सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना विकसित करने का प्रयास	- भावानुकूल ,सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - कविता के मूलभाव यथा सहकारिता ,सहयोग एवं परोपकार की भावना से परिचित होंगे एवं अपने जीवन में भी आत्मसात् कर सकेंगे, - की भावना से परिचित ‘एक और एक ग्यारह’ होते हुए परस्पर सहयोग की भावना समझने का प्रयत्न करेंगे - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 35-38 मुहावरे के अर्थ को समझकर वाक्य में प्रयोग करने का अभ्यास

		किया जा सकता है		
पाठ 8 ऐसे – ऐसे विष्णु प्रभाकर	एकांकी/ विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर हास्य एकांकी एकांकी के विषयवस्तु-, पात्र , घटनाक्रम आदि ,संवाद पर चर्चा एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखने का नज़रिया कल्पनात्मकता का विकास	**कक्षा 4 – का. सं. 52A,** सर्वनाम की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10** **का. सं. 112A, 142A** सर्वनाम का प्रयोग **कक्षा 6 –** सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **निजवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग	- 'एकांकी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किसकिस - प्रकार के बहाने बनाते हैं इसे जान सकेंगे - एकांकी के विषयवस्तु एवं घटनाक्रम को - अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते है - पात्र घटनाक्रम आदि शब्दों से ,संवाद , परिचित हो सकेंगे - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• कार्यपत्रक सं. 39-46 • विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर विद्यार्थी अपने अनुभव को कक्षा में साझा/ चर्चा करें।
पाठ 11. जो देखकर भी नहीं देखते हेलेन कलर	निबंध/ अपने आसपास की घटनाओं के प्रति स्वाभाविक उदासीनता को लेकर निबंध। सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना का न होना चिंता का विषय है।	**कक्षा 4 –** संज्ञा की पहचान **कक्षा 5 –** संज्ञा का प्रयोग **कक्षा 6 –** संज्ञा के भेद एवं प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – **भाववाचक संज्ञा** की पहचान और प्रयोग अपने बचपन से सम्बंधित किसी घटना पर आधारित संस्मरण लेखन	- गद्य के एक रूप 'संस्मरण' विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - महादेवी वर्मा के जीवन एवं साहित्यिक जीवन से परिचित होंगे, - महादेवी वर्मा के बचपन की कुछ स्मृतियों , विद्यालय एवं छात्रावास के वातावरण आदि के बारे में जानेंगे - तत्कालीन परिवेश में लड़कियों की पारिवारिक एवं सामाजिक स्थितियों के बारे में जानेंगे, - स्वतंत्रता आन्दोलन के क्रम में छात्रों , शेषकर लड़कियों के योगदान एवं सहयोग वि को समझ सकेंगे - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	--

पाठ.12 संसार पुस्तक है जवाहर लाल नेहरु	पत्र/ पत्र लेखन के महत्त्व- अनुभव जन्य सीख और चिंतन की प्रवृति का विकास महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासा और उनसे ली गई प्रेरणा अथवा सीख	**कक्षा 4 – का. सं. 112A, 142A** प्रत्यय शब्द से परिचित योजक चिह्न शब्द से परिचित **कक्षा 5 – का. सं. 55A** प्रत्यय शब्दों की पहचान योजक चिह्नों की पहचान **कक्षा 6 –** प्रत्यय शब्दों का प्रयोग योजक चिह्नों का प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिन्दु – योजक चिह्नों का अभ्यास प्रत्यय शब्दों का अभ्यास	- 'पत्र'विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पत्र,लेखन के महत्त्व को समझ सकेंगे- - पत्र लेखन के लिए-प्रेरित होंगे, - महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	--
पाठ 13 मैं सबसे छोटी होऊँ सुमित्रानंदन पंत	कविता/ बालसुलभ- मनोभावों की अभिव्यक्ति बाल सुलभ अपेक्षाओं पर चर्चा	**कक्षा 4 – का. सं. 19A, 27A** **पर्यायवाची शब्दों** से परिचित **समानार्थी शब्दों** से परिचित **कक्षा 5 – का. सं. 22A, 33A** **पर्यायवाची शब्दों** की पहचान **समानार्थी शब्दों** की पहचान **कक्षा 6 –** **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग	- बाल सुलभ-कविता से परिचित होंगें, - भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - बाल सुलभ अपेक्षाओं को जान सकेंगे, - माँ और बच्चे के बीच के वात्सल्य भाव की अनुभूति कर सकेंगे , - अपने बचपन की स्मृतियों को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर सकते हैं , - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें ।	-- बाल सुलभ अपेक्षाओं पर चर्चा

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि केउद्देश्य मात्र है।**

ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा" कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) केउद्देश्य मात्र से हैं | गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नही ं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) केउद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।

वार्षिक परीक्षा